मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 81 ■ बुधवार 3 जून 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US · GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

राजनीति में कदम रखने वाली हैं भूमि पेडनेकर?

रास्तों की खुदाई ने मचाई तबाही

■ मानसून कार्य में मनपा की ढिलाई

■ उल्हासनगर के सभी रास्ते बद से बदतर हालत में

करन बोधा
दैनिक उल्हास विकास

उल्हासनगर. उल्हासनगर-1 से 5 तक करीब सभी प्रमुख रास्तों पर भुयारी गटर के कार्य के दौरान सभी अच्छी खासी सड़कों को एक साथ तोड़े जाने से शहर में भूकंप जैसी तबाही का माहौल देखने को मिल रहा है। शहर के चारों तरफ इतनी जोरदार खुदाई का कार्य चल रहा है कि इसे बनाने में ही 6 माह से अधिक का समय लग जाएगा, ऊपर से मानसून कुछ ही दिनों में दस्तक देने जा रहा है ऐसे में यह चारों और खुदाई से बरसात में तबाही का मंजर देखने को मिलेगा क्योंकि मनपा प्रशासन व सत्ताधारियों के कार्य की ढिलाई का नतीजा आज शहर भुगतान कर रहा है। उल्हासनगर-3 केबी रोड, गोल मैदान परिसर सहित

सभी प्रमुख मार्गों में रास्ते जैसे गायब हो गए हैं। खुदाई के बाद भुयारी गटर बनाने वाले ठेकेदार उस रोड को अधूरा ही छोड़ रहे हैं। स्व. अशोक बोधा नाना नानी पार्क परिसर का पूरा रोड खुदाई के बाद अधूरा छोड़कर ठेकेदार भाग गया है। इस तरह हर जगह तोड़े जा रहे रास्तों को दोबारा घटिया दर्जे का बनाया जा रहा है जो वापस कभी भी टूट सकता है।

■ करोड़ों रुपये की सड़क फिर खोदी गई

उल्हासनगर महानगर पालिका का एक और चौंकाने वाला उदाहरण सामने आया है. कुछ महीने पहले करोड़ों रुपये खर्च करके बनाई गई कंक्रीट की सड़क अब फिर से खोदी जा रही है। एक तरफ जहां लोगों को अच्छी क्वालिटी की इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं देने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ नई बनी सड़कों में तोड़फोड़ होने से लोगों में खासा गुस्सा है।

उल्हासनगर कैंप नंबर 5 के लाल चक्की चौक से हिललाइन पुलिस स्टेशन होते हुए नेताजी चौक तक एक ज़रूरी सड़क को MMRDA के ज़रिए कंक्रीट किया गया था। इस सड़क के दोनों तरफ नालियां, पेवर ब्लॉक और बीच में कंक्रीट की सड़क बनाने में करीब दो साल लग गए। लोगों के मुताबिक, यह काम तीन से चार महीने पहले ही पूरा हुआ था, अब गोल्डन नगर एंट्रेंस के पास नई पानी की पाइपलाइन बिछाने के लिए उसी सड़क की खुदाई शुरू हो गई है। इस वजह से लोगों ने प्रशासन के योजनाओं की कड़ी आलोचना की है। संबंधित कॉन्ट्रैक्टर ने कहा कि इलाके में पानी की बढ़ती कमी की समस्या को देखते हुए ज़्यादा कैपेसिटी वाली नई पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा है। उन्होंने साफ किया कि पुरानी पाइपलाइन से पानी की सप्लाई ठीक से नहीं हो रही है, इसलिए संबंधित डिपार्टमेंट के कहने पर यह काम शुरू किया गया है। ठेकेदार ने यह भी भरोसा दिया है कि अगले 15 दिनों में पाइपलाइन का काम पूरा करके सड़क ठीक कर दी जाएगी। हालांकि, लोगों के मुताबिक, पानी की सप्लाई में सुधार तो ज़रूरी है, लेकिन डेवलपमेंट के कामों की सही प्लानिंग और डिपार्टमेंट के बीच तालमेल ज़्यादा ज़रूरी है; नहीं तो करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़कें कुछ ही महीनों में फिर से खोदनी पड़ेंगी और इसका असर लोगों के साथ-साथ पब्लिक के पैसे पर भी पड़ेगा।

पानी की पाइपलाइन बदलने के बारे में पहले क्यों नहीं सोचा गया? लोग यह सवाल उठा रहे हैं। इलाके में यह भावना है कि डेवलपमेंट के कामों में तालमेल की कमी के कारण टैक्सपेयर्स का पैसा बर्बाद हो रहा है।

आयलानी व कालानी नहीं कर पा रहे शहर विकास

शहर की जनता का नेताओं पर से भरोसा उठ चुका है क्योंकि ना ही भाजपा विधायक कुमार आयलानी कार्य कर रहे हैं और ना ही कालानी के मार्गदर्शन में चल रही सत्ताधारी शिवसेना। आज करीब चार महीने सत्ताधारियों को सत्ता संभाले हुए हैं लेकिन शहर में विकास सिर्फ नए नगरसेवकों का ही देखने को मिल रहा है क्योंकि स्थायी समिति में कई प्रस्ताव पास हो रहे हैं। अब इन सबकी पोल आगामी मानसून में खुलेगी जब शहर विकास पानी में बहता हुआ नजर आएगा।

दुर्गापाड़ा में पानी की समस्या अंततः सुलझी

■ विधायक बालाजी किणीकर ने किया निरीक्षण दौरा

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप नंबर 5, दुर्गापाड़ा इलाके के हजारों लोगों के लिए कई सालों से पानी की कमी की समस्या आखिरकार सुलझने के संकेत दे रही है। इलाके में बन रही नई पानी की टंकी का काम अपने आखिरी स्टेज पर पहुंच गया है, और जल्द ही लोगों को साफ और भरपूर पानी मिल सकेगा।

MLA डॉ. बालाजी किणीकर ने 'बेसिक सर्विसेज एंड फैसिलिटीज डेवलपमेंट स्कीम' के तहत बन रहे इस बड़े प्रोजेक्ट का खुद निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने काम की प्रोग्रेस का रिव्यू किया और संबंधित अधिकारियों को काम को अच्छी क्वालिटी के तरीके से और समय पर पूरा करने के साफ निर्देश दिए।

डॉ. किणीकर ने कहा कि यह प्रोजेक्ट महाराष्ट्र के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे और MP डॉ. श्रीकांत शिंदे के सहयोग और लगातार फॉलो-अप की वजह से पूरा हो रहा है। उन्होंने बाकी काम भी युद्ध स्तर पर पूरा करने का आदेश दिया, ताकि गर्मियों में लोगों को पानी की कोई दिक्कत न हो और नई टंकी से जल्द से जल्द पानी की सप्लाई शुरू हो सके। इंस्पेक्शन टूर के दौरान शिवसेना उप शहर प्रमुख परशुराम पाटिल, विकास पाटिल, वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट के कार्यकारी अभियंता अशोक घुले, जूनियर इंजीनियर और लोकल ऑफिस के लोग मौजूद थे।

अवैध पार्किंग पर ट्रैफिक पुलिस ने की कार्रवाई

■ 50 हजार रुपये का जुर्माना वसूला

कल्याण. पिछले कई सालों से टिटवाला मांडा इलाके में ट्रैफिक पुलिस तैनात नहीं होने की वजह से इस इलाके में ड्राइवर मनमाने ढंग से सड़कों, फुटपाथों, खुली जगहों और रेलवे स्टेशन इलाके में दोपहिया और चारपहिया वाहन पार्क कर रहे थे, जिससे गैर-कानूनी पार्किंग की जगहें बन रही थीं। इस वजह से टिटवाला रेलवे स्टेशन और शहर के इलाके के आसपास की सड़कों पर हमेशा ट्रैफिक जाम रहता था। ठाणे पुलिस कमिश्नरेट ने टिटवाला इलाके के लिए आठ ट्रैफिक पुलिस तैनात किए हैं। इन पुलिस अधिकारियों ने चार्ज संभालते ही टिटवाला इलाके में गैर-कानूनी पार्किंग की जगहों और दोपहिया और मोटर चालकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

पिछले हफ़्ते से, ट्रैफ़िक पुलिस ने टिटवाला रेलवे स्टेशन एरिया, टिटवाला मंदिर जाने वाली सड़कों, मांडा, टिटवाला के अंदर की सड़कों, गलियों में दोपहिया वाहनों, कारों और शहर की खुली जगहों पर बेतरतीब ढंग से पार्क की गई 100 से ज़्यादा गाड़ियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई शुरू की है। इस कार्रवाई के ज़रिए ट्रैफ़िक पुलिस संबंधित गाड़ी मालिकों और ड्राइवरों को मौके पर ही ई-चालान भेज रही है और जुर्माना वसूल रही है। ट्रैफ़िक पुलिस की तैनाती से नागरिकों ने संतुष्टि जताई है।

पुराने विवाद के चलते म्हारल में गुंडों का हमला

■ 7 घायल, 2 आरोपी गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण तालुका के टिटवाला पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले म्हारल गांव में पुराने विवाद को लेकर एक बार फिर गुंडागर्दी की बड़ी घटना सामने आई है। गुंडों की टोली ने आशीष खांडेकर के परिवार पर हमला कर इलाके में दहशत फैला दी।

जानकारी के अनुसार, म्हारल के खांडेकर चाल परिसर में हरेश प्रधान उर्फ 'दैत्या' और उसके साथियों ने मिलकर एक परिवार पर धावा बोल दिया। इस दौरान आरोपियों ने जमकर उत्पात मचाया, जिसमें एक महिला समेत कुल सात लोग घायल हो गए। वहीं हमलावरों ने दो वाहनों में भी तोड़फोड़ की।

टिटवाला पुलिस में दर्ज शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने पहले एक महिला के साथ छेड़छाड़ की। जब आसपास के लोगों ने महिला को बचाने की कोशिश की, तो हमलावरों ने उन पर भी बेरहमी से हमला कर दिया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद इलाके में डर और तनाव का माहौल बना हुआ है। इस मामले में टिटवाला पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने हरेश प्रधान उर्फ दैत्या और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

आनंद दिघे रिक्शा टैक्सी महामंडल सम्मान निधि

47 रिक्शा चालकों के खाते में जमा होंगे 10-10 हजार रुपए

कल्याण. कल्याण, डोंबिवली, मुरबाड, उल्हासनगर, अंबरनाथ के कल्याण सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिवीजन के 47 रिक्शा ड्राइवरों को सम्मान निधि का फायदा देने का ऐलान किया गया है, जो सरकार की धर्मवीर आनंद दिघे टैक्सी-रिक्शा महामंडल के मेंबर हैं और 65 साल पूरे कर चुके हैं।

महामंडल इन रिक्शा ड्राइवरों के बैंक अकाउंट में सीधे 10,000 रुपये जमा करेगा। कई सालों में पहली बार सरकार ने इस महामंडलके ज़रिए रिक्शा ड्राइवरों के लिए यह फायदे वाली सर्विस शुरू की है, और इससे रिक्शा ड्राइवरों में खुशी का माहौल है।

एक रिक्शा ड्राइवर ज़िंदगी भर पैसेंजर सर्विस देता है। एक तय उम्र के बाद, रिक्शा ड्राइवर को पैसेंजर ट्रांसपोर्ट देते समय फिजिकल कंडीशन और उम्र की वजह से

कुछ पाबंदियां होती हैं। इसलिए सरकार को रिक्शा ड्राइवरों के लिए सर्विस पेंशन शुरू करनी चाहिए। रिक्शा ड्राइवरों की हेल्थ को ध्यान में रखते हुए उन्हें हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा देनी चाहिए। रिक्शा ड्राइवरों के घरों की समस्या गंभीर है। इसलिए, रिक्शा संगठन ने मांग की है कि रिक्शा ड्राइवरों के लिए एक खास हाउसिंग स्कीम लागू की जाए। इन सभी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने रिक्शा ड्राइवरों की समस्याओं को हल करने के लिए डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे की पहल पर धर्मवीर आनंद दिघे मीटर टैक्सी रिक्शा विकास महामंडल बनाया है। महामंडल ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर प्रताप सरनाईक के गाइडेंस में काम कर रहा है।

■ रिक्शा ड्राइवरों के लिए फायदे

रिक्शा ड्राइवर जिनकी उम्र 65 साल पूरी हो गई है। और रिक्शा ड्राइवर जिन्होंने 1 मई, 2026 से पहले धर्मवीर आनंद दिघे महामंडलकी वेबसाइट पर अपनी मेंबरशिप एप्लिकेशन ऑनलाइन भरी है। सरकार ने ऐसे एलिजिबल रिक्शा ड्राइवरों के लिए आनंद दिघे वेलफेयर महामंडल के ज़रिए 10,000 रुपये का मानदेय देने का ऐलान किया है। ऐसे एलिजिबल बेनिफिशियरी में कल्याण सब-रीजनल ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के डोंबिवली, कल्याण, मुरबाद, उल्हासनगर, अंबरनाथ इलाकों के कुल 47 रिक्शा ड्राइवर शामिल हैं। सरकार ने उनके लिए 10,000 रुपये मानदेय की घोषणा की है। यह फंड सीधे इन रिक्शा चालकों के बैंक अकाउंट में जमा किया जाएगा। योग्य लाभार्थियों में एक महिला रिक्शा चालक भी शामिल है।

महिला सफ़ाई कर्मचारी की करंट लगने से मौत

शहापुर: शहापुर शहर के पठानवाड़ा इलाके में सुबह काम पर जाने की तैयारी करते समय घर पर लोहे की अलमारी खोलते समय नगर पंचायत की एक महिला सफ़ाई कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। मरने वाली महिला की पहचान सुलोचना विजय सातपुते (50) के तौर पर हुई है।

नगर पंचायत में सफ़ाई कर्मचारी के तौर पर काम करने वाली सुलोचना सातपुते एक मिलनसार, मेहनती और ईमानदार कर्मचारी के तौर पर जानी जाती थीं। वह सुबह रोज़ की तरह काम पर जाने की तैयारी कर रही थीं। इस समय जैसे ही उन्होंने घर पर लोहे की अलमारी खोली, उन्हें अचानक ज़ोरदार करंट का झटका लगा। इस घटना का पता चलने पर उनके पति विजय सातपुते ने तुरंत घर की मेन पावर सप्लाई बंद कर दी और सुलोचना को इलाज के लिए शाहपुर उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, मेडिकल अधिकारियों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कल्याण-मुरबाड रोड पर शुरू होगा टोल

■ पोटगांव में टोल बूथ का कंस्ट्रक्शन फाइनल स्टेज में

कल्याण. नेशनल हाईवे नंबर 61, कल्याण-मुरबाड-मालशेज घाट पर कंक्रीटिंग का काम लगभग पूरा होने वाला है, लेकिन एक ऐसा फैसला सामने आया है जिससे आने-जाने वालों की जेब पर असर पड़ेगा। कल्याण और मुरबाड के बीच पोटगांव में एक टोल बूथ खोलने की तैयारी फाइनल स्टेज में है, और इस बात पर कड़ी प्रतिक्रिया आ रही है कि इससे हजारों लोगों पर पैसे का बोझ पड़ेगा।

इस टोल बूथ पर बसों, काली-पीली जीपों, प्राइवेट चार पहिया वाहनों और कमर्शियल गाड़ियों से टोल वसूला जाएगा। इसके चलते, रोजगार, बिजनेस, पढ़ाई और रोजमर्रा के कामों के लिए कल्याण, ठाणे और मुंबई जाने वाले लोगों के आने-जाने के खर्च में भारी बढ़ोतरी होगी। चर्चा है कि मुरबाड तालुका के आम लोगों पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। कई सालों से रुका हुआ नेशनल हाईवे अब पूरा होने वाला है, लेकिन करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी ड्राइवरों की सुरक्षा का मुद्दा बना हुआ है, और अब टोल वसूली का नया बोझ पड़ने वाला है।

लोकमित्र रमेश हिंदुराव ने मांग की है कि मुरबाडकरों को इस टोल से छूट या पूरा टोल माफ किया जाए। उन्होंने सभी राजनीतिक पार्टियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से भी अपील की है कि वे एक साथ आकर इस मुद्दे पर लड़ें क्योंकि इससे स्थानीय नागरिकों के साथ अन्याय होगा।

बुवापाड़ा में नपा की तोड़क कार्रवाई के बाद भारी हंगामा

अंबरनाथ. अंबरनाथ के बुवापाड़ा में संदीप दास के पुराने कार्यालय को दुरुस्त करते समय भाजपा नगरसेविका मीनू सिंह के पति बबलू सिंह द्वारा नपा प्रशासन को शिकायत करने पर उनके कार्यालय को नपा ने ध्वस्त कर दिया. इसके बाद संदीप दास ने नपा प्रशासन से बबलू सिंह के अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की मांग करते हुए कहा कि बुवापाड़ा परिसर में दर्जनों अवैध निर्माण हो रहे हैं. उन सबको ध्वस्त किया जाए. संदीप दास का ये भी कहना है कि नगरसेविका मीनू सिंह के पति बबलू सिंह पर नगर परिषद ने अवैध निर्माण पर एमआरटीपी एक्ट के अनुसार पुलिस में मामला भी दर्ज है.

विदित हो इस गंभीर विषय को शिवसेना के नगरसेवक राजेंद्र वालेकर ने नपा की आम सभा में भी उठाया था. संदीप दास ने पत्रकार वार्तालाप में बबलू सिंह पर ये भी आरोप लगाया है कि बबलू ने उनको ब्लैकमेल करने के लिए उनके कुछ लोगों को भेजकर कहलवाया है कि उनके परमीशन के बिना उनके वार्ड में कोई भी निर्माण नहीं होगा. अगर होगा तो उनके ही लोग ये निर्माण कार्य करेंगे. अगर कोई करता है तो उन्हें पैसे देने पड़ेंगे. संदीप ने अपने खुलासे में कहा है कि बरसात में उनका कार्यालय में पड़ोस के नाले से पानी भर जाता था. इसलिए कार्यालय दुरुस्ती का काम उन्होंने शुरू किया था. जो ध्वस्त कर दिया गया है.

दूसरी ओर नगरसेविका मीनू सिंह और उनके पति बबलू सिंह ने संदीप सिंह द्वारा लगाए गए आरोप को गलत बताते हुए कहा है कि उनका घर 70 वर्ष पुराना है. उन्होंने संदीप दास से रकम की मांग नहीं की है. उलट संदीप ने ही वाट्सएप कॉल करके उनसे कहा कि ले-देकर मामले को खत्म करे.

कल्याण-नवी मुंबई का सफ़र और भी आसान होगा!

उल्हासनगर. मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में मेट्रो नेटवर्क के विस्तार में तेज़ी लाने के लिए, MMRDA ने मेट्रो लाइन 5A और 12A प्रोजेक्ट्स के लिए 9,950 करोड़ तक का लोन लेने का प्रोसेस शुरू किया है। कल्याण, उल्हासनगर, मानपाड़ा और नवी मुंबई को जोड़ने वाले ये दो प्रोजेक्ट्स लगभग 19 स्टेशनों का मेट्रो नेटवर्क बनाएंगे। इससे लाखों यात्रियों को तेज़, आरामदायक और एयर-कंडीशन्ड सफ़र मिलेगा।

बेहतर इंटरचेंज कनेक्टिविटी से सेंट्रल रेलवे, नवी मुंबई मेट्रो और दूसरे मेट्रो कॉरिडोर से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी, और सड़कों पर ट्रैफिक जाम कम होने से सफ़र का समय भी कम होने की उम्मीद है। MMRDA द्वारा जारी EOI डॉक्यूमेंट के अनुसार, प्रस्तावित लोन 1,000 करोड़ रुपये के टर्म लोन के रूप में लिया जाएगा। यह फाइनेंसिंग एक बैंक या बैंकों के ग्रुप द्वारा की जा सकती है।

लोन का समय 25 साल तय किया गया है, जिसमें पहली किस्त की तारीख से पांच साल तक प्रिंसिपल और इंटरेस्ट पर रोक रहेगी। लोन अगले 20 सालों में चुकाया जाएगा। हर विड्रॉल के लिए कम से कम 50 करोड़ तय किए गए हैं। इस फंड का इस्तेमाल मेट्रो लाइन 5A और मेट्रो लाइन 12A को बनाने और उससे जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर को डेवलप करने के लिए किया जाएगा।

मेट्रो लाइन 5A को मौजूदा मेट्रो लाइन 5, ठाणे-भिवंडी-कल्याण के एक्सटेंशन के तौर पर डेवलप किया जा रहा है। यह कॉरिडोर दुर्गाडी से कल्याण होते हुए उल्हासनगर तक जाएगा। लगभग 11.829 km लंबी इस एलिवेटेड लाइन में सात स्टेशन होंगे, जिनके नाम दुर्गाडी, खड़कपाड़ा, भोइरवाड़ी, शिवाजी पथ, शांति नगर, शिवाजी चौक और उल्हासनगर हैं।

■ प्रोजेक्ट की कुल अनुमानित लागत ₹4,063 .08 करोड़ है, जिसमें कंस्ट्रक्शन के समय के दौरान ज़मीन का अधिग्रहण, रिहैबिलिटेशन, टैक्स और इंटरेस्ट शामिल हैं। MMRDA इस प्रोजेक्ट के लिए लगभग ₹3,250 करोड़ का लोन लेने की तैयारी कर रहा है।

■ MMRDA का दावा है कि मेट्रो लाइन 12A के लॉन्च होने से नवी मुंबई और कल्याण-डोंबिवली-मानपाड़ा इलाके के बीच यात्रा तेज़ हो जाएगी। अभी, सड़क से यात्रा में एक घंटे से ज़्यादा समय लगता है, जबकि मेट्रो में लगभग 45 मिनट लगेंगे।

अंबरनाथ में अवैध निर्माण पर कार्रवाई के लिए

भाजपा नगरसेविका का अनशन शुरू

अंबरनाथ. अंबरनाथ में अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने की मांग को लेकर भाजपा की वार्ड क्र. 4 की नगरसेविका मीनू सिंह नपा कार्यालय के समक्ष आमरण अनशन पर बैठ गई हैं. उनकी मांग है कि बुवापाड़ा में हो रहे कई अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाए. जब तक ये अवैध निर्माण ध्वस्त नहीं किए जाते, वह अनशन से नहीं उठेंगी. उनके समर्थन में भाजपा के कुछ नगरसेवक भी उतर गए हैं.

शहर में अवैध निर्माणों को लेकर राजनीति गरमा गई है, तो दूसरी ओर नगरसेविका के पति रविंद्र उर्फबबलू सिंह पर संदीप दास बैरागी ने आरोप लगाया है कि उन्होंने मोरीवली गेट के पास दोमंजिला अवैध दुकान का निर्माण किया है, उसे ध्वस्त किया जाए. अगर ये निर्माण ध्वस्त नहीं किया गया तो वह भी नपा कार्यालय के समक्ष आमरण अनशन पर बैठ जाएंगे. नगरसेविका ने शिवसेना के एक कार्यकर्ता पर आरोप लगाया है कि उसने ड्रेनेज पर ही अवैध निर्माण किया है. जिसके कारण यहां के निवासियों को परेशानी हो रही है.

नगरसेविका के पति रविंद्र सिंह के दो साथियों पर आरोप है कि वह भी बुवापाड़ा में अवैध निर्माण कर रहे हैं. ये अवैध निर्माणों का आरोप प्रत्यारोप लगभग 70 अवैध निर्माणों को खतरे में ला सकता है. दो दिनों बाद ये भी देखने को मिलेगा कि अवैध निर्माण ध्वस्त करने के मामले को लेकर एक और मंडप में आमरण अनशन शुरू होगा. नगरसेविका द्वारा जारी आमरण अनशन को अच्छा समर्थन मिल रहा है. प्रदीप पाटिल, पवन वालेकर आदि ने भी अनशन मंडप में बैठकर समर्थन दिया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

जर्जर इमारतों का सर्वे हो

दिल्ली में साकेत के पास एक इलाके में शनिवार को पांच मंजिला इमारत ढह जाने से पांच विद्यार्थियों सहित छह लोगों की मौत की खबर ने फिर यही साबित किया है कि सरकारी तंत्र के भीतर किस हद तक लापरवाही और गैरजिम्मेदारी का आलम पसरा हुआ है। इस घटना में कई लोग घायल भी हो गए। बचाव अभियान में चौदह लोगों को बाहर निकाला गया।

इस हादसे से सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि जब यह हादसा हुआ, उस समय इमारत की ऊपरी मंजिल पर निर्माण कार्य किसकी अनुमति से हो रहा था। नियमों का उल्लंघन कर इसकी मंजूरी किस स्तर पर दी गई? हालांकि नगर निगम के दो अभियंताओं को निलंबित कर दिया गया है। इतने बड़े हादसे पर यह कार्रवाई बहुत छोटी है।

कायदे से उन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए, जिन पर उस भवन के निर्माण और नक्शे की मंजूरी देने का जिम्मा था। मजिस्ट्रेट के स्तर पर जांच के बाद संबंधित अधिकारियों को छानबीन के घेरे में लाया जाना चाहिए।

मगर वास्तव में यह प्रशासन और नगर निकाय की लापरवाही का एक और ज्वलंत उदाहरण है। सवाल है कि इमारत जर्जर हो गई थी, तो संबंधित विभाग ने समय रहते इसे खाली क्यों नहीं कराया। अगर यह प्राथमिक कदम उठा लिया गया होता, तो एक बड़ा हादसा टल सकता था।

कोई भी इमारत एक दिन में अचानक नहीं गिरती। उसमें संरचनात्मक कमजोरी धीरे-धीरे सामने आ रही होती है। साकेत में जो इमारत ढह गई, समय रहते उसके मालिक और नगर निगम के अभियंताओं ने सजगता क्यों नहीं बरती और निर्माण मानकों का उल्लंघन क्यों होने दिया गया। उस इमारत में अवैध निर्माण किए जाते रहे और अधिकारी आंखें मूंदे रहे, तो दरअसल यह आपराधिक लापरवाही है।

साकेत में हुई घटना पूरी दिल्ली के लिए सबक होनी चाहिए। यहां कई व्यावसायिक और रिहाइशी इमारतें हैं जो भवन निर्माण की कसौटी पर खरी नहीं उतरतीं। पिछले दो-तीन दशकों में राजधानी में भवनों के निर्माण का जिस तरह व्यावसायीकरण हुआ है, उसके नतीजे सामने आने लगे हैं। जर्जर होती कोई इमारत कब ढह जाए, कहा नहीं जा सकता। अवैध और जर्जर इमारतों का पूरी दिल्ली में सर्वे और निरीक्षण होना चाहिए, ताकि समय रहते नागरिकों की जान बच सके।

विमर्श

रचनात्मक बहस के बजाय सतही नारेबाजी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बीते दिनों जब प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को 'देशद्रोही' कहा, तो यह साधारण राजनीतिक आरोप नहीं था। देशद्रोह का यह आरोप इतना संगीन है कि सीधे प्रतिपक्ष की गंभीरता पर सवाल खड़े करता है। राहुल गांधी को यह बताना चाहिए कि देश के शीर्ष कार्यकारी पदों और एक बड़े सामाजिक संगठन पर लगाए गए इस गंभीर आरोप का प्रामाणिक आधार क्या है? यदि देशद्रोह का आरोप लगाया गया है, तो उसके समर्थन में तथ्य भी सामने आने चाहिए। अन्यथा यह राजनीतिक असहमति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श के स्तर को गिराने वाली बयानबाजी मानी जाएगी। संवैधानिक मर्यादा के इसी क्षरण के संदर्भ में 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में दिया गया बाबासाहेब आंबेडकर का अंतिम भाषण याद आता है।

उन्होंने सचेत किया था कि जब अपनी बात रखने और सरकार बदलने के शांतिपूर्ण मार्ग उपलब्ध हों, तब अमर्यादित भाषा और असंवैधानिक तौर-तरीकों का आश्रय लेना 'अराजकता का व्याकरण' बन जाता है। दुर्भाग्य से, विपक्ष का एक वर्ग ऐसी भाषा और शैली को अपनी राजनीतिक कार्यशैली का हिस्सा बनाता दिखाई देता है। लोकतंत्र में तीखी आलोचना सत्ता को निरंकुश होने से रोकती है, परंतु जब आलोचना का स्थान व्यक्तिगत घृणा ले ले, तो संवाद का रास्ता बंद हो जाता है। देश के सर्वोच्च कार्यकारी पदों पर बैठे जनप्रतिनिधियों के लिए ऐसी शब्दावली का प्रयोग न केवल उस विशाल जनादेश का अवमूल्यन है जिसने उन्हें चुना है, बल्कि यह हमारी समूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की वैधता को ही कठघरे में खड़ा करता है।

विपक्ष द्वारा लगातार यह विमर्श गढ़ा जा रहा है कि वर्तमान सत्ता 'संविधान को खत्म' कर रही है। संविधान पर आघात की पड़ताल करने से तथ्य स्वयं अपनी कहानी कह देंगे। याद कीजिए जून 1975 का वह दौर जब बिना किसी विधिवत कैबिनेट बैठक के देश पर आपातकाल थोपा गया था। विपक्षी नेताओं को जेलों में डालना, प्रेस पर सेंसरशिप लगाना और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को निलंबित करना संवैधानिक ढांचे का विध्वंस था। बिना विपक्ष की मौजूदगी के संसद के भीतर 42वां संविधान संशोधन पारित कर संविधान की मूल प्रस्तावना को बदला गया था।

वर्तमान में संसद के भीतर हर विधेयक पर बहस होती है, मत विभाजन की लोकतांत्रिक प्रक्रिया अपनाई जाती है और सर्वोच्च अदालत कानूनों की न्यायिक समीक्षा करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है। जहां तक संविधान के सम्मान और जन-जागरूकता का प्रश्न है, वर्तमान सरकार ने संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने, उसके मूल्यों को समाज तक पहुंचाने और लोकतांत्रिक चेतना को सशक्त करने के लिए निरंतर संस्थागत प्रयास किए गए हैं। संविधान शिल्पी बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों को 'पंचतीर्थ' के रूप में भी इसी सरकार ने विकसित किया। राजा सुहेलदेव से लेकर वीरा पासी तक, वंचित समाज के नायकों को जो सांस्कृतिक सम्मान आज मिल रहा है, उससे समाज के अनेक वंचित वर्गों में आत्मगौरव और सांस्कृतिक पहचान की भावना को बल मिला है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और महात्मा गांधी के अंतर्संबंधों को लेकर भी विपक्ष का विमर्श हमेशा एकांगी और ऐतिहासिक तथ्यों से परे दिखाई देता है। गांधीजी मानते थे कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्राम विकास, स्वदेशी अर्थव्यवस्था, स्वच्छता और अस्पृश्यता उन्मूलन जैसे बुनियादी सामाजिक कार्यों को जीवनशैली बनाना होगा। आजादी के बाद सत्ता संभालने वाले तंत्र ने गांधी के इस रचनात्मक माडल को पीछे छोड़ दिया, जबकि संघ ने राजनीति से अलग रहकर गांधी के इन सेवापरक कार्यों को अपने संगठन का मूल आधार बनाया। आज वनवासी कल्याण आश्रम के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार और सुदूर गांवों में चल रहे 'एकल विद्यालय' महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा के विचार के ही व्यावहारिक रूप हैं। महात्मा गांधी ने 1934 में वर्धा के पास संघ के एक शिविर का प्रत्यक्ष दौरा किया था और वहां जातिगत भेदभाव की पूर्ण अनुपस्थिति की सराहना की थी।

ध्यानाभ्यास हमारी आंतरिक दृष्टि को साफ कर देता है और हम इस इंसानी जीवन के सच्चे उद्देश्य को जान पाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

हिमाचल की वादियों में उड़ती है ये 'गाय'

जरा हट के

प्रकृति हर रोज नई-नई अनोखी चीजें हमारे सामने लाती है. हिमाचल प्रदेश की स्पीति वैली में एक ऐसा पक्षी रहता है जिसे देखकर कोई भी हैरान रह जाता है. इसका नाम है हॉर्न्ड लार्क. इस पक्षी के सिर पर बालों की खास संरचना होती है जो देखने में बिल्कुल गाय के सींग जैसी लगती है.

यही वजह है कि स्थानीय लोग इसे प्यार से "उड़ने वाली गाय" कहते हैं. स्पीति वैली की बर्फीली ऊंचाइयों, ठंडी हवाओं और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में यह छोटा सा पक्षी अपना घर बनाए हुए है. जब कोई फोटोग्राफर इसका क्लोजअप लेता है तो नजारा देखने लायक होता है. काले और पीले रंग का मिश्रण, तेज आंखें और सिर पर सींग जैसी दो कलगी इसे बाकी पक्षियों से पूरी तरह अलग करती है.

हॉर्न्ड लार्क मुख्य रूप से उत्तर भारत, नेपाल, भूटान और मध्य एशिया के ऊंचे इलाकों में

पाया जाता है. भारत में यह हिमाचल, लद्दाख और उत्तराखंड की ऊंची वादियों में सबसे ज्यादा दिखता है. सर्दियों में जब बर्फ गिरती है तब यह पक्षी निचले इलाकों की तरफ आ जाता है और आसानी से देखा जा सकता है.

इस पक्षी की सबसे खास बात उसके सिर पर उगे "हॉर्न्स" हैं. ये असल सींग नहीं बल्कि लंबे पंख और बालों की संरचना है. नर पक्षी में यह कलगी ज्यादा प्रमुख होती है. जब यह पक्षी जमीन पर चलता है या उड़ता है तो दूर से देखने पर लगता है मानो कोई छोटी गाय आसमान में उड़ रही हो. यही वजह है कि लोकल नाम "उड़ने वाली गाय" पड़ गया. यह पक्षी काफी सक्रिय और सतर्क होता है. यह जमीन पर बीज, कीड़े-मकोड़े और छोटे-छोटे कीट खाकर अपना भोजन करता है. ऊंचे इलाकों में जहां पेड़ कम होते हैं, वहां यह चट्टानों और घास के बीच अपना घोंसला बनाता है.

स्पीति वैली के फोटोग्राफर्स के लिए हॉर्न्ड लार्क एक खास आकर्षण है. वे घंटों इंतजार करते हैं और सही मौके पर शानदार तस्वीरें क्लिक करते हैं. इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया जाता है तो लोग हैरान रह जाते हैं. हॉर्न्ड लार्क फिलहाल खतरे में नहीं है लेकिन जलवायु परिवर्तन और ऊंचाई वाले इलाकों में हो रहे बदलाव इसके लिए चुनौती बन सकते हैं.

पश्चिम बंगाल में दिखाई दे बदलाव का असर

पश्चिम बंगाल में चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद हिंसक घटनाएं सामान्य हो चुकी हैं। मगर हाल ही में जब विधानसभा चुनावों के बाद व्यापक फेरबदल हुआ और भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सरकार बनाई, तो इसे राज्य में एक बड़े बदलाव का उदाहरण बताया गया। वहां की जनता के बीच एक उम्मीद पैदा हुई कि अगर सत्ता में बदलाव आया है, तो संभवतः इसका असर सरकार के कामकाज से लेकर जमीनी स्तर पर आम लोगों के जीवन पर भी पड़े।

मगर पहली बार भाजपा की सरकार बनने के बाद जो हालात दिख रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि वहां अराजक तत्त्वों को खुली छूट मिली हुई है, विपक्ष के नेताओं पर सीधे हमले हो रहे हैं और शासन उदासीन है। ऐसी अनेक घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें एक तरह से बदले की भावना से विपक्षी दलों के नेताओं या उनके समर्थकों पर हमले हुए हैं और कानून-व्यवस्था लाचार है। इससे यह सवाल उठा है कि क्या राज्य के लोगों ने इसी तरह के हालात के लिए बदलाव के पक्ष में वोट दिया था।

गौरतलब है कि पिछले दो दिनों के भीतर पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं, अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर लोगों की भीड़ ने पुलिस या सुरक्षा बलों की मौजूदगी में

घातक हमला किया। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के नेता और सांसद अभिषेक बनर्जी चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ित अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से मिलने सोनारपुर दक्षिण पहुंचे थे। मगर आरोप के मुताबिक वहां भाजपा के कार्यकर्ताओं ने उन्हें घेर लिया और नारेबाजी करते हुए उनके साथ मारपीट की।

एक अन्य घटना में तृणमूल कांग्रेस के एक और सांसद कल्याण बनर्जी पर भी हमला किया गया। गनीमत रही कि दोनों को किसी तरह भीड़ से निकाल लिया गया। मगर उन पर जिस तरह हमला किया गया, वह सभी पार्टियों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। हैरानी की बात यह है कि लोकतंत्र की बहाली के जिस नारे के साथ चुनावों में जनता का समर्थन मांगा गया, सरकार बदलने के बाद अब वही लोकतंत्र बाधित होता दिख रहा है और राज्य सरकार अराजक तत्त्वों पर काबू पाने के बजाय सब कुछ अपने आप ठीक होने की उम्मीद कर रही है।

सवाल है कि चुनावी नतीजों के बाद राज्य में विपक्षी दलों के समर्थकों या कार्यकर्ताओं के सामने जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, उनके नेताओं की गतिविधियों को जिस तरीके से बाधित किया जा रहा है, उसे किस कसौटी पर लोकतंत्र कहा जाएगा। अव्वल तो समूचे राज्य में कहीं भी प्रतिद्वंद्विता की वजह से हिंसक या एक दूसरे पर हमले की घटनाओं को पूरी तरह रोकने और किसी भी पार्टी का समर्थन करने वाले अराजक तत्त्वों के खिलाफ सख्ती बरतने के लिए पुलिस को स्पष्ट निर्देश देने की जरूरत है। फिर विपक्षी दलों के नेता अगर लोकतांत्रिक गतिविधियों के लिए जनता के बीच जाते हैं, तो उन्हें सुरक्षा मुहैया कराना सरकार का दायित्व है।

पश्चिम बंगाल में चुनावों के नतीजे सामने आने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा था कि अब राज्य में 'बदला नहीं, बदलाव' और 'भय नहीं, भविष्य' की बात होनी चाहिए। यों भी, अगर नई सरकार ने बदलाव का सपना दिखाया है, तो उसकी सबसे पहली जिम्मेदारी राज्य में हर स्तर पर लोकतांत्रिक माहौल को बहाल करना होना चाहिए। राज्य में कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर अगर ऐसे हालात रहे कि विपक्ष को दबाने वाले तत्त्वों को खुली छूट दी गई, तो यह एक तरह से राज्य सरकार की सबसे बड़ी नाकामी होगी।

इस बार कुछ नया और टेस्टी ट्राई किया जाए? जी हां, आज हम आपके लिए लेकर आए हैं खट्टे-मीठे 'अंगूर का शरबत', जो न सिर्फ आपको तरोताजा करेगा बल्कि आपकी सेहत का भी पूरा ख्याल रखेगा।

अंगूर का शरबत

सामग्री :

- ताजे अंगूर : 1 बड़ा कप (हरे या काले, जो आपको पसंद हों)
- चीनी या शहद: 2-3 चम्मच (स्वादानुसार)
- काला नमक: आधा छोटा चम्मच
- भुना हुआ जीरा पाउडर: एक चौथाई छोटा चम्मच
- नींबू का रस: 1 चम्मच
- पुदीने की पत्तियां: 7 से 8 (ताजगी के लिए)
- ठंडा पानी और बर्फ के टुकड़े

बनाने का तरीका

सबसे पहले अंगूरों को पानी से अच्छी तरह धो लें ताकि उनकी सारी गंदगी निकल जाए।

अब एक मिक्सी के जार में अंगूर, चीनी या शहद, काला नमक, भुना जीरा पाउडर, पुदीने की पत्तियां और आधा कप ठंडा पानी डालें। इन सभी चीजों को अच्छे से पीस लें।

अब एक छलनी की मदद से इस रस को किसी बर्तन में छान लें, ताकि अंगूर के छिलके अलग हो जाएं।

छाने हुए रस में नींबू का रस और जरूरत के हिसाब से और ठंडा पानी मिला लें।

बस फिर, एक सुंदर-सा गिलास लें, उसमें 3-4 बर्फ के टुकड़े डालें और ऊपर से यह रिफ्रेशिंग शरबत भर दें। सजावट के लिए आप गिलास के किनारे पर नींबू का एक छोटा टुकड़ा और ऊपर से पुदीने की एक-दो पत्तियां रख सकते हैं।

यकीन मानिए, जब आप गर्मी से थके-हारे घर लौटेंगे या आपके घर अचानक कोई मेहमान आ जाएगा, तो यह ठंडा-ठंडा अंगूर का शरबत सबका दिल खुश कर देगा।

आज का राशिफल

मेष : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। कोई नई समस्या आ सकती है।

वृषभ : रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। समय नेष्ट है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन : नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क : मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

सिंह : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी। पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है।

कन्या : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा।

तुला : जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

धनु : वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ : सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है। नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता हावी रहेंगे।

मीन : व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

दिल की सेहत के लिए कौन सा नट ज्यादा बेहतर

किसे कहते हैं कोलेस्ट्रॉल का दुश्मन

बदलती लाइफस्टाइल के बीच दिल से जुड़ी बीमारियां आज दुनिया भर में जान की सबसे बड़ी दुश्मन बनी हुई हैं. लेकिन अच्छी खबर यह है कि हमारी प्लेट में रखी चीजें इस खतरे को काफी हद तक टाल सकती हैं. अपनी रोजमर्रा की डाइट की क्वालिटी सुधारने और दिल को लंबी उम्र देने का सबसे आसान तरीका है मुट्ठी भर नट्स. इस लिस्ट में बादाम और मूंगफली दो ऐसे नाम हैं, जो हर घर में मिल जाते हैं. इटिंग वेल के मुताबिक, दोनों में ही भरपूर मात्रा में हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, लेकिन नियमित तौर पर आपकी रूटीन में किसे जगह मिलनी चाहिए? आइए, एक्सपर्ट्स की मदद से समझते हैं कि आपके दिल के लिए दोनों में से कौन सा विकल्प ज्यादा दमदार है.

बादाम या मूंगफली?

दिल की सेहत पर बादाम का असर

न्यूट्रिशन एक्सपर्ट डू हेम्लर के अनुसार, "बादाम मुख्य रूप से अपने विटामिन E, फाइबर, मैग्नीशियम और मोनोअनसैचुरेटेड फैट्स के लिए जाना जाता है." ये सभी न्यूट्रिएंट्स मिलकर दिल को कई तरीकों से फायदा पहुंचाते हैं:

कोलेस्ट्रॉल लेवल में करता है सुधार:

1 औंस (लगभग 28 ग्राम) बादाम में 14 ग्राम फैट होता है, जो कि असल में दिल के लिए अच्छा 'हेल्दी फैट' है. रिसर्च के मुताबिक, जब आप अपनी डाइट में सैचुरेटेड फैट की जगह इन अनसैचुरेटेड फैट्स को शामिल करते हैं, तो कोलेस्ट्रॉल लेवल में सुधार आता है.

घटाता है बैड कोलेस्ट्रॉल :

बादाम में मौजूद फाइबर और प्लांट कंपाउंड्स शरीर से बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) को बांधकर बाहर निकालने में मदद करते हैं और गुड कोलेस्ट्रॉल (HDL) को सपोर्ट करते हैं.

ब्लड फ्लो बेहतर करे:

बादाम विटामिन E का बेहतरीन सोर्स है. इसका एंटीऑक्सीडेंट गुण धमनियों को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाता है, जिससे नसों में प्लाक (कचरा) नहीं जमता और ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है. वहीं इसमें मौजूद मैग्नीशियम ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को कंट्रोल रखता है.

दिल की सेहत पर मूंगफली का असर

मूंगफली को भले ही 'गरीबों का बादाम' कहा जाता हो, लेकिन सेहत के मामले में यह किसी से कम नहीं है. एक्सपर्ट डू हेम्लर के अनुसार, मूंगफली का प्रोफाइल थोड़ा अलग है. इसमें बादाम की तुलना में थोड़ा ज्यादा प्रोटीन और काफी अच्छी मात्रा में नियासिन और फोलेट होता है.

स्ट्रोक और हार्ट डिसीज का खतरा करे कम:

मूंगफली के दानों पर मौजूद पतली लाल स्किन (छिलका) में जबरदस्त बायोएक्टिव कंपाउंड्स और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं. रिसर्च बताती है कि हफ्ते में कम से कम दो बार मूंगफली खाने से कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों का रिस्क काफी कम हो जाता है.

दोनों में से अधिक फायदेमंद कौन?

एक्सपर्ट्स की मानें तो इस रेस में कोई एक विनर नहीं है. दोनों ही नट्स अपने-अपने स्तर पर दिल के लिए लाजवाब हैं. रोक्साना एहसानी कहती हैं कि दोनों के अनोखे फायदे हैं, इसलिए अपनी डाइट में दोनों को बारी-बारी से शामिल करना सबसे समझदारी भरा फैसला है. वहीं डू हेम्लर का मानना है कि सबसे बेहतर नट वही है जिसे आप बिना भूले रोज अपनी डाइट का हिस्सा बना सकें चाहे वह आपके स्वाद के बजट में हो या आपकी पसंद में. दिल को लंबे समय तक जवान और सेहतमंद रखना है, तो बादाम और मूंगफली के बीच मुकाबला कराने के बजाय, इन दोनों पावरहाउस को अपनी मिक्स डाइट का हिस्सा बनाएं!

घर में नहीं है फ्रिज तो भी नहीं होगी सब्जियां खराब

गर्मियों में ताजा रखने के ये आसान देसी तरीके आएंगे काम

इस समय गर्मी का मौसम चल रहा है. गर्मी के इस मौसम में तेज धूप होने की वजह से न सिर्फ इंसानों पर इसका प्रभाव पड़ रहा है, बल्कि पशु पक्षियों पेड़ पौधों और सब्जियों पर भी इसका असर पड़ रहा है. ऐसे में आज भी कई लोगों के घरों में फ्रिज नहीं है जिसकी वजह से वे बाजार से जब सब्जी खरीद कर लेते हैं, तो वह कुछ ही घंटों में सूखने लगती है और यदि उसे बिना फ्रिज के अव्यवस्थित तरीके से रखा जाता है, तो वह खराब हो जाती है. इसलिए, आज हम आपको बताने वाले हैं कुछ ऐसे उपाय के बारे में जिसको आप इस्तेमाल करके, अपने घर पर बिना फ्रिज के ही अपनी सब्जी को कुछ दिनों तक तरो ताजा रख सकते हैं तो आईए जानते हैं कौन से हैं वे उपाय.

पहले था यह तरीका

एक्सपर्ट सविता श्रीवास्तव बताती हैं कि पहले के समय में लोगों के घर में फ्रिज नहीं हुआ करती थी. ऐसे में लोगों के यहां फिर भी सब्जियां कई दिनों तक ताजा रखी जाती थी. उसके पीछे की वजह होती थी कि लोगों के मकान कच्चे होते थे और जमीन पर कोई कपड़ा बिछाकर सब्जी रख देने से वह कई दिनों तक चलती थी. इसके साथ ही अगर आप चाहते हैं कि आपकी भी सब्जी कुछ दिनों तक तरो ताजा बनी रहे तो आपको किसी जूट के बोरे में को हल्का सा कट कर लेना है और एक जूट के बोरे की परत नीचे जमीन पर बिछा देनी है और उसके बाद अपनी सब्जी रख देनी है और उसके ऊपर फिर से जूट का बोरा रखकर हल्का सा उसपर पानी छिड़क दें. इसका फायदा यह होगा कि सब्जी में गर्मी का असर कम पड़ेगा और सब्जी तरोताजा बनी रहेगी.

जालीदार टोकरी का करें इस्तेमाल

प्लास्टिक की थैलियों की बजाय बांस या जालीदार टोकरी में सब्जियाँ रखने से हवा का संचार बना रहता है. इससे अतिरिक्त नमी नहीं जमती और सब्जियाँ अधिक समय तक ताज़ा बनी रहती हैं. इसके साथ ही सब्जी को जब भी अपने घर पर रख रहे हैं तो आप उसे धुल कर ना रखें बल्कि सब्जी काटने से पहले ही धुलें. इससे सब्जी पर लगी मिट्टी से सब्जी तरो ताजा बनी रहती है.

आइस फेशियल का बढ़ रहा है ट्रेंड

आजकल सोशल मीडिया पर एक चीज काफी ट्रेंड कर रही है- आइस फेशियल. कई सेलिब्रिटीज सुबह उठते ही चेहरे को बर्फ वाले पानी में डुबोते नजर आते हैं, तो कुछ लोग आइस क्यूब को चेहरे पर रगड़ते हैं. दावा किया जाता है कि इससे चेहरा तुरंत फ्रेश दिखता है, सूजन कम होती है और स्किन में नेचुरल ग्लो आ जाता है. ऐसे में कई लोग सोचते हैं कि क्या सच में सिर्फ बर्फ से चेहरा इतना बेहतर दिख सकता है?

आखिर क्या होता है आइस फेशियल?

नाम से ही समझ आता है कि इसमें चेहरे को ठंडक दी जाती है. कुछ लोग एक बाउल में बर्फ और ठंडा पानी भरकर उसमें कुछ सेकंड के लिए चेहरा डुबोते हैं, जबकि कुछ लोग आइस क्यूब को कपड़े में लपेटकर चेहरे पर हल्के हाथों से घुमाते हैं. यह स्किन को तुरंत कूलिंग इफेक्ट देता है और गर्मियों में काफी अच्छा महसूस होता है.

आइस फेशियल करने का सही तरीका

सबसे पहले चेहरा अच्छी तरह साफ कर लें. इसके बाद एक साफ कॉटन के कपड़े में आइस क्यूब लपेट लें. अब इसे चेहरे पर धीरे-धीरे गोलाकार तरीके से घुमाएं. आंखों के नीचे, गालों और माथे पर ज्यादा फोकस कर सकते हैं. 2 से 3 मिनट काफी होते हैं. अगर बर्फ वाले पानी में चेहरा डुबोना चाहते हैं, तो 10 से 15 सेकंड से ज्यादा न रखें. इसके बाद मॉइश्चराइजर लगा लें.

फेशियल के फायदे

आइस फेशियल का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह चेहरे को तुरंत फ्रेश और जागा हुआ लुक देता है. अगर सुबह चेहरा सूजा हुआ लगता है, तो ठंडक उस पफीनेस को कम करने में मदद कर सकती है. कई लोगों को इससे पोर्स थोड़े टाइट नजर आते हैं और मेकअप भी ज्यादा स्मूद दिखता है. गर्मियों में यह चेहरे को ठंडक देने का आसान तरीका भी है. लंबे दिन के बाद आइस फेशियल स्किन को रिलैक्स महसूस करा सकता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

मामूली विवाद में बुजुर्ग की पीट- पीटकर हत्या

अंबेडकरनगर. अंबेडकरनगर के आलापुर थाना क्षेत्र के बहिंगवा जोगीपुर गांव में तेज गति से बुलेट चलाने से मना करना एक बुजुर्ग को भारी पड़ गया। तेज गति से बुलेट चलाने से टोकने पर शुरू हुई मारपीट में दबंगों ने वृद्ध के साथ जमकर मारपीट किया जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। मामले में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिसके बाद परिजन मृत बुजुर्ग जैनुल्लाह के शव को लेकर घर आए और मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दुष्कर्म व जान से मारने की धमकी देने के चार दोषियों को 20 वर्ष की कैद

श्रावस्ती. श्रावस्ती के सोनवा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दलित महिला के साथ दो वर्ष पूर्व दुष्कर्म किया गया था। इस दौरान न सिर्फ उसे जातिसूचक गली दी गई, बल्कि शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई थी। सोनवा पुलिस ने केस दर्जकर ग्राम ककंधू के मजरा तेंदुआ निवासी ओमकार वर्मा पुत्र जानकी प्रसाद, मनोज वर्मा पुत्र रामनरेश वर्मा व सेठ उर्फ़ ओमकार कश्यप पुत्र धुरई सहित गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम भौवसाय निवासी हरीश कश्यप पुत्र कन्हैयालाल के विरुद्ध दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी देने सहित एससी/एसटी एक्ट में जेल भेजा था। मामले में सोमवार को अपना फैसला सुनते हुए अपर जिला जज व विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी ने चारों आरोपियों को दोषी करार देते हुए के सभी को 20-20 वर्ष का सश्रम कारावास व प्रत्येक को 55 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

बहराइच में चार दरोगा लाइन हाजिर, 21 पुलिसकर्मियों का फेरबदल

बहराइच पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने सोमवार रात चार दरोगाओं सहित पांच पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है। दो इंस्पेक्टर और 13 दरोगाओं को इधर उधर किया है। भग चल रही स्वॉट टीम को दोबारा गठित किया है। एसपी के पीआरओ रहे निरीक्षक राकेश कुमार सिंह अब स्वाट, सर्विलांस व साइबर सेल प्रभारी बनाए गए हैं। पुलिस लाइन में तैनात दरोगा धीरेन्द्र सिंह एसपी के जन सम्पर्क अधिकारी की जिम्मेदारी निभाएंगे।

पुरानी रंजिश में ताबड़तोड़ फायरिंग से दहला इलाका; बरसीं गोलियां, 3 लोग घायल

पीलीभीत. पीलीभीत में पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों में कई राउंड फायरिंग हुई। फायरिंग के दौरान एक पक्ष के तीन लोग छर्रे लगने से घायल हो गए। हालांकि पुलिस के अनुसार सभी घायलों की चोटें सतही हैं और किसी की हालत गंभीर नहीं है। फिल्मी स्टाइल में हुई फायरिंग की सूचना मिलने पर सीओ सिटी, सीओ पूरनपुर समेत तीन थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा। पुलिस ने आठ लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। गांव में पुलिस फोर्स तैनात है।

4 जून को केरल में देगा दस्तक मानसून

■ **भारी बारिश की भविष्यवाणी**

तिरुवनंतपुरम. मॉनसून के आगमन को लेकर बड़ी खबर आ रही है। इसके मुताबिक केरल में मॉनसून 4 जून को दस्तक देगा। इस दिन भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई है। आम तौर पर मॉनसून एक जून से शुरू होता है। मौसम विभाग ने कहाकि अगले दो- तीन दिन में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं।

■ **सात दिन का अलर्ट**

केरल में मॉनसून के आगमन पर, भारतीय मौसम विभाग के वैज्ञानिक, नीता के गोपाल ने कहाकि मॉनसून शुरू होने की परिस्थितियां तैयार हो रही हैं। इसलिए हम इसके लिए 4 जून की तारीख घोषित करते हैं। 4 जून की शाम से हम अच्छी बारिश देखेंगे। उन्होंने कहाकि चूंकि भारी बारिश होने की संभावना है, इसलिए पूरे केरल में सात दिन तक 'ऑरेंज' या 'येलो' अलर्ट रहेगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी देते हुए कहाकि अगर भारी बारिश जारी रहती है तो हमें सतर्क रहना चाहिए। इसके अलावा पहाड़ी क्षेत्रों के लिए प्रतिबंधों के साथ ऑरेंज अलर्ट रहेगा।

आईएमडी ने पहले बताई थी यह तारीख

गौरतलब है कि आईएमडी ने इससे पहले केरल में मॉनसून के आगमन की तारीख 26 मई बताई थी। हालांकि, मॉनसून के आगे बढ़ने की प्रक्रिया में देरी हुई और विभाग ने 29 मई को कहा था कि इसका आगमन अगले सप्ताह हो सकता है। पिछले हफ्ते जारी अपने संशोधित पूर्वानुमान में आईएमडी ने कहाकि इस मौसम में बारिश सामान्य से कम रहेगी। आईएमडी ने यह भी कहा कि इस वर्ष भारत में दीर्घकालिक औसत (एलपीए) का 90 फीसदी बारिश होने की संभावना है।

■ **अनुकूल हैं हालात**

मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल हालात हैं। इस तरह दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर, लक्षद्वीप द्वीपसमूह, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य औरपूर्व हिस्सों और बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व के शेष हिस्सों में 4 जून के आसपास यह आगे बढ़ सकता है।

TMC तोड़ सकते हैं निकाले गए विधायक

■ **बोले- हम असली तृणमूल, 50 से ज्यादा MLA साथ**

■ **नेता विपक्ष हमारा हो, चुनाव चिन्ह भी मिले**

> अगर नैतिकता का समर्थन करने के कारण हमें निलंबित किया गया है, तो हम खुश हैं। यह कार्रवाई झेलने पर कोई पछतावा नहीं है।
>
> **संदीपन साहा**
> TMC से निष्कासित MLA

कोलकाता. ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस दो गुटों में बंट सकती है। पार्टी से निकाले गए नेता रिजू दत्ता ने दावा किया कि 80 में से 50 से ज्यादा विधायक खुद को असली तृणमूल बताने की तैयारी कर रहे हैं।

रिजू ने दावा किया है कि आज ये सभी विधायक विधानसभा स्पीकर के पास जाएंगे और तीन मुद्दे उठाएंगे। पहला- हम ही असली तृणमूल कांग्रेस हैं। दूसरा, विपक्ष के नेता ऋतव्रत होंगे, न कि शोभनदेव। तीसरा, हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है, इसलिए चुनाव चिह्न हमारा होना चाहिए। बंगाल में TMC के 80 विधायक हैं। नए गुट को मान्यता के लिए दो-तिहाई यानी 54 विधायकों की जरूरत होगी। इससे कम विधायक होने पर स्पीकर नए गुट को मान्यता नहीं देंगे। टूट का दावा करने वाले रिजू दत्ता विधायक नहीं है।

इधर, सोमवार को TMC से निकाले गए 2 विधायक संदीपन साहा और ऋतव्रत बनर्जी ने कोलकाता के MLA हॉस्टल में TMC के कई विधायकों के साथ मीटिंग की। इसमें ममता के कई खास विधायक भी शामिल हुए।

टूट की संभावनाओं पर 3 बयान

BJP ने कहा- TMC के लिए हमारे दरवाजे बंदः पश्चिम बंगाल BJP के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा TMC के लिए हमारे दरवाजे बंद हैं। हमने किसी को बाहर से लाए बिना 207 का आंकड़ा छू लिया। इस बार हमारी राजनीतिक रणनीति जमीनी स्तर से शुरू हुई। हम ऐसे लोगों को अपनी पार्टी में कैसे शामिल कर सकते हैं जो दागी हैं? BJP का तृणमूलीकरण कभी नहीं होगा।

TMC का दावा- ज्यादातर विधायक ममता के साथ रहेंगेः TMC के शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा कि पार्टी के ज्यादातर विधायक दलबदल की अटकलों के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ ही रहेंगे, औ TMC के पुराने नेता संगठन पर अपना नियंत्रण बनाए रखेंगे।

कांग्रेस बोली- लगता नहीं TMC जिंदा रह पाएगीः कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि ममता ने जो बोया है वही काट रही हैं। असलियत यह है कि उनके पास विरोध प्रदर्शन करने के लिए लोग ही नहीं हैं। मुझे नहीं लगता TMC आगे जिंदा रह पाएगी। बात बहुत दूर तक जा चुकी है। TMC के कार्यकर्ताओं में बहुत असंतोष है। ममता को अब 'INDIA' ब्लॉक को मजबूत करने के बारे में सोचना चाहिए।

कोलकाता में मेसी का 70 फीट ऊंचा स्टैच्यू हटाया गया

■ **तेज हवा में हिलने लगा था**

■ **6 महीने पहले फुटबॉलर ने खुद उद्घाटन किया था**

कोलकाता. कोलकाता के लेक टाउन इलाके में लगी स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के 70 फीट ऊंचे स्टैच्यू को सोमवार को हटा दिया गया। हाल में आए तेज तूफान में स्टैच्यू के हिलने की शिकायत मिली थी। सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने इसे हटाने का फैसला किया।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने हाइड्रोलिक क्रेन से स्टैच्यू को उसके आधार से अलग किया। इसके बाद उसे सुरक्षित तरीके से ट्रक पर रखकर दूसरी जगह पहुंचाया गया। हटाने की प्रक्रिया में स्टैच्यू को कोई नुकसान नहीं हुआ।

यह स्टैच्यू पिछले साल दिसंबर में लगाया गया था। उस समय मेसी के कोलकाता दौरे के दौरान इसका उद्घाटन हुआ था। मेसी ने रिमोट कंट्रोल के जरिए स्टैच्यू का अनावरण किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये स्टैच्यू करीब 10 करोड़ रुपए में बना था। यह मूर्ति लोहे और फाइबर से बनाई गई थी। इसे सिर्फ 40 दिनों में तैयार किया गया था।

उत्तराखंड में भारत-चीन व्यापार के लिए ट्रेड पास ऑफिस खुला

धारचूला. उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे से सात साल बाद भारत-चीन (तिब्बत) व्यापार फिर शुरू होने जा रहा है। इसके लिए विदेश मंत्रालय से 300 ट्रेड पास मिलने के बाद सोमवार को धारचूला में ट्रेड कार्यालय खोल दिया गया। जिसके बाद पहले ही दिन 20 व्यापारियों ने आवेदन किया। साथ ही गुंजी में कस्टम कार्यालय और बैंक शाखा भी शुरू हो गई है।

खास बात यह है कि व्यापारियों को मिलने वाला भारत-तिब्बत ट्रेड पास सामान्य पासपोर्ट की तरह विदेश यात्रा के लिए नहीं, बल्कि सीमित अवधि और तय सीमा क्षेत्र में व्यापार के लिए जारी किया जाने वाला विशेष अनुमति-पत्र है।

व्यास घाटी स्थित लिपुलेख दर्रे से सदियों से भारत-तिब्बत के बीच परंपरागत व्यापार होता रहा है। पहले तिब्बती व्यापारी नमक, ऊन और भेड़ लेकर भारत आते थे, जबकि भारतीय व्यापारी तिब्बत की तकलाकोट मंडी में गुड़, मिश्री, अनाज और मसाले लेकर जाते थे। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद यह व्यापार बंद हो गया था। वर्ष 1991 में इसे फिर शुरू किया गया, लेकिन पिछले सात वर्षों से कारोबार ठप पड़ा था। अब प्रशासनिक तैयारियां पूरी होने के बाद एक बार फिर व्यापारिक गतिविधियां शुरू होने की राह साफ हो गई है।

पहले दिन 20 आवेदन पहुंचे

धारचूला में ट्रेड अधिकारी एवं उपजिलाधिकारी आशीष जोशी ने रिबन काटकर ट्रेड कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यालय खुलते ही भारत-तिब्बत व्यापार के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई। पहले ही दिन 20 व्यापारियों ने ट्रेड पास के लिए आवेदन किया। अधिकारियों ने व्यापारियों के साथ बैठक कर व्यापार से जुड़ी व्यवस्थाओं और नियमों की जानकारी भी दी।

चुनाव बाद हिंसा को लेकर ममता का धरना

■ **पुलिस से परमिशन नहीं मिली**

■ **बस स्टॉप पर बैठे TMC नेता**

कोलकाता. तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कोलकाता के बीचों-बीच अपना दिन भर का धरना शुरू कर दिया। यह धरना हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में BJP की जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं पर हमलों के विरोध में हो रहा है। ममता के साथ कल्याण बनर्जी, डोला सेन और कुणाल घोष भी हैं।

हालांकि कोलकाता पुलिस से परमिशन न मिलने के कारण आखिरी वक्त में वेन्यू बदल दिया गया। पहले ममता कोलकाता के रानी राशमोनी एवेन्यू पर जाने वाली थीं, लेकिन बाद में धर्मतला के एक बस स्टॉप पर ही सभी TMC नेता पहुंचे। प्रदर्शन शुरू करने से पहले बनर्जी ने रेड रोड पर डॉ. BR अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्हें भारत के संविधान पर आधारित एक किताब हाथ में लिए हुए भी देखा गया।

बनर्जी ने एक मेगाफोन से भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि हमें मंच बनाने या माइक्रोफोन इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी गई। लेकिन मैं लड़ूंगी या मर जाऊंगी।

विराट कोहली IPL जीतने के बाद प्रेमानंदजी से मिलने पहुंचे

■ **पत्नी अनुष्का भी साथ थीं**

वृंदावन. IPL जीतने के बाद क्रिकेटर विराट कोहली और पत्नी अनुष्का शर्मा ने वृंदावन में संत प्रेमानंद के दर्शन किए। दोनों मंगलवार सुबह 7 बजे केली कुंज आश्रम पहुंचे। चेहरे पर मास्क लगाकर कार से उतरे और नंगे पांव आश्रम के अंदर गए।

संत प्रेमानंद के शिष्यों ने उनकी अगवानी की। दोनों 2 घंटे तक आश्रम में रहे। बाहर आए तो विराट के माथे पर चंदन और त्रिपुंड लगा था। उनके हाथ में एक किताब भी थी। प्रेमानंदजी से मिलने के बाद 150 मीटर दूर दोनों बड़े गुरु हित गोविंद शरण महाराज के आश्रम पैदल पहुंचे। यहां हित गोविंद शरण

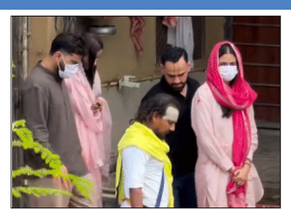

महाराज के दर्शन किए।

इससे पहले, विराट और अनुष्का ने इसी साल 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन भी संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए थे और सत्संग सुना था।

कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने 31 मई को लगातार दूसरा IPL खिताब जीता था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में टीम ने गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया था।

अन्नामलाई ने BJP अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की

■ **दावा- BJP से सम्मानजनक विदाई चाहते हैं**

■ **7 जून को फैसला लेंगे**

नई दिल्ली. तमिलनाडु BJP के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मंगलवार को दिल्ली में BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब उनके BJP छोड़ने की चर्चाएं चल रही हैं।

सूत्रों के मुताबिक, वह भाजपा से बिना टकराव वाली सम्मानजनक विदाई चाहते हैं। इसके बाद वह तमिलनाडु में 'राष्ट्रवादी-तमिल दर्शन' आधारित गैर-राजनीतिक आंदोलन शुरू करेंगे, जिसे जनभावनाओं के आधार पर बाद में राजनीतिक दल में बदला जा सकता है।

अन्नामलाई 7 जून को अपने कोर समर्थकों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद वह आगे की रणनीति का ऐलान कर सकते हैं। युवा वोटबैंक में उनकी पकड़ को देखते हुए उनके अगले कदम पर राजनीतिक दलों की नजर है। यह भी चर्चा है कि RSS चाहता है कि अन्नामलाई सार्वजनिक जीवन में सक्रिय बने रहें।

BJP को नुकसान हो सकता है

राजनीतिक विश्लेषक सुमंत सी. रमन के मुताबिक, अन्नामलाई की 'एन मन्न, एन मक्कल' पदयात्रा के बाद तमिलनाडु में BJP का वोट शेयर 2021 के 3% से बढ़कर 2024 में 11% तक पहुंचा था, जो 2026 में फिर 3% पर है। ऐसे में उनके अगले राजनीतिक कदम को राज्य की राजनीति के लिए अहम माना जा रहा है।

अन्नामलाई और बीजेपी में अनबन के संकेत...

विधानसभा चुनाव से पहले BJP ने अन्नामलाई की जगह नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अन्नामलाई ने चुनाव भी नहीं लड़ा था।

अन्नामलाई ने CBSE की तीन-भाषा नीति को मौजूदा सत्र से लागू करने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने शिक्षा मंत्रालय से इसे 2029-30 शैक्षणिक सत्र से लागू करने की मांग की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, AIADMK के साथ BJP के गठबंधन को लेकर अन्नामलाई सहमत नहीं थे। हालांकि बाद में उन्होंने NDA के लिए चुनाव प्रचार किया था।

44 की उम्र में फिर कोर्ट पर लौटेंगी सेरेना

■ **चार साल बाद प्रोफेशनल टेनिस में वापसी**

■ **क्वींस क्लब में वाइल्ड कार्ड से डबल्स खेलेंगी**

सेरेना विलियम्स करीब चार साल बाद प्रोफेशनल टेनिस में वापसी कर रही हैं। 44 साल की उम्र में 23 ग्रैंड स्लैम सिंगल्स खिताब जीत चुकीं सेरेना ने लंदन में होने वाले क्वींस क्लब ग्रास-कोर्ट टूर्नामेंट में डबल्स खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार किया है। WTA टूर ने सोमवार को इसकी घोषणा की।

■ **क्वींस क्लब 8 जून से**

क्वींस क्लब टूर्नामेंट 8 जून से शुरू होगा। WTA ने कहा है कि सेरेना विलियम्स के डबल्स जोड़ीदार के नाम की घोषणा बाद में की जाएगी। इस बीच, सेरेना ने सोशल मीडिया पर भी अपनी वापसी के संकेत दिए। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें फोन लगातार बज रहा है। वीडियो में वह कहती हैं, मुझे अपना नंबर बदलना पड़ेगा। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, लगता है सबको यह खबर मिल गई है।

■ **क्या विंबलडन खेलेंगी?**

सेरेना की घास के कोर्ट पर वापसी से यह अटकलें भी तेज हो गई हैं कि वह विंबलडन में भी खेल सकती हैं। विंबलडन 28 जून से शुरू होगा। सेरेना ऑल इंग्लैंड क्लब में 7 सिंगल्स खिताब जीत चुकी हैं। सेरेना ने आखिरी बार 2022 US ओपन में खेला था। उस समय उन्होंने टेनिस को अलविदा कहते हुए कहा था कि वह रिटायरिंग शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहतीं।

■ **क्वींस क्लब क्या होता है?**

क्वींस क्लब चैंपियनशिप्स लंदन में आयोजित होने वाला ग्रास कोर्ट टेनिस टूर्नामेंट है। 1886 में शुरू हुआ यह दुनिया के सबसे पुराने टेनिस टूर्नामेंटों में से एक है। इसे विंबलडन से पहले खिलाड़ियों के लिए अहम तैयारी टूर्नामेंट माना जाता है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक से कार टकराई, एक युवक की मौत, 5 गंभीर

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सोमवार की देर रात तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक से जा भिड़ी। दर्दनाक हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजवाया। मिली जानकारी के अनुसार लखनऊ से गाजीपुर की ओर जा रही कार सोमवार रात पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किमी संख्या 112 पर खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए।

थरूर बोले- वंदे मातरम लोगों के लिए बोझिल

■ **हर कार्यक्रम में राष्ट्रगीत गाना मुश्किल**

■ **इसका समाधान आपसी सहमति से निकाला जाए**

तिरुवनंतपुरम. कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत और अंत में राष्ट्रगीत वंदे मातरम के सभी 6 छंदों को बजाने या गाना अनिवार्य करने पर सवाल उठाया। उन्होंने इसे गैर जरूरी और लोगों के लिए बोझिल बताया।

केरल के तिरुवनंतपुरम में सोमवार को थरूर ने कहा, 'वंदे मातरम हमारा राष्ट्रगीत है। जब इसे गाया जाता है, तो हम सम्मान में खड़े हो जाते हैं। इसका पहला छंद या पहले दो छंद ज्यादातर लोगों को जुबानी याद होते हैं। थरूर ने बताया कि पारंपरिक रूप से यह गीत किसी कार्यक्रम की शुरुआत में एक बार गाया जाता था तो वहीं राष्ट्रगान अलग से कार्यक्रम के आखिर में बजाया जाता था।

थरूर ने कहा- वंदे मातरम सभी लोगों को याद नहीं

इसी साल 19 फरवरी को दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम का शशि थरूर ने जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वहां शुरुआत और अंत में वंदे मातरम का पूरा संस्करण बजाया गया था। उनके मुताबिक, गीत लंबा होने के कारण लोगों के लिए दो बार खड़े रहना असुविधाजनक था। थरूर ने कहा आखिरकार इस मामले पर कोई फैसला लेना पड़ सकता है, क्योंकि संसद द्वारा पारित ऐसा कोई कानून नहीं है जो इसे अनिवार्य बनाता हो। मुझे राष्ट्रगीत से कोई आपत्ति नहीं है।

गीता ज्ञान के नाम पर नशा देकर कई युवतियों से यौन शोषण

मथुरा से आईआईटीयन बाबा गिरफ्तार

मथुरा. यूपी के मथुरा में एक सनसनीखेज घटनाक्रम के तहत गीता ज्ञान के नाम पर युवतियों को नशीला पदार्थ खिलाकर यौन शोषण के आरोप में एक आईआईटीयन साधु वेश धारी बाबा को गिरफ्तार किया गया है। गोवर्धन के राधाकुंड क्षेत्र में गत दिनों उसने छत्तीसगढ़ की युवती से रेप का प्रयास किया। इसका मुकदमा दर्ज होने पर पुलिस ने उसके यहां से दो युवतियों को मुक्त करा उनके घरवालों को सौंप दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मूल रूप से फोरदा (उड़ीसा) निवासी अभिषेक मिश्रा द्वारा गीता ज्ञान के नाम पर नशीली दवा खिलाकर युवतियों के साथ यौन शोषण किया जाता था। उसने आईआईटी रुड़की से बीटेक किया था। उसके अभिभावक अब भुवनेश्वर में रहते हैं। अभिषेक कुछ वर्षों पूर्व राधाकुंड में आकर रहने लगा। आरोप है कि वह ऑनलाइन प्रवचन कर युवतियों को फंसाता था और उनका ब्रेनवाश कर देता था। इस बीच में उन्हें नशीले पदार्थ का सेवन करा यौन शोषण भी करता था। पुलिस के अनुसार इसके यहां कई युवतियां थीं। पुलिस को ऐसी जानकारी मिल रही थी लेकिन कोई युवती इसके खिलाफ बोलने को तैयार नहीं थी। पिछले दिनों अधिकांश युवतियां इसके यहां से अपने घरों को लौट गई थीं लेकिन कुछ युवतियां इसके पास से नहीं जा रही थीं।

बंगाल में जला मिला करोड़ों का कैश

■ **सूटकेस में रखी थी रकम**

कोलकाता. कोलकाता में एक चौंकाने वाले घटनाक्रम के तहत टीएमसी छात्र यूनियन के दफ्तर से जले हुए नोट मिले हैं। बताया जा रहा है कि यह रकम करोड़ों में हो सकती है। यह रकम सुरेंद्र नाथ कॉलेज के अंदर छात्र यूनियन के ऑफिस में कई सूटकेस में रखी गई थी। इतनी बड़ी संख्या में नोट मिलने के बाद लोगों में काफी गुस्सा है। सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर यह पैसा किसका है?

उठ रहे हैं सवाल

इस तरह से इतनी बड़ी मात्रा में पैसे मिलने पर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी इसको लेकर काफी हलचल मच गई है। तमाम सोशल मीडिया हैंडल्स पर वीडियो को शेयर किया जा रहा है। इन वीडियो के साथ लोग टीएमसी को लेकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में लिखा गया है कि इतनी बड़ी रकम को देखिए। साफ पता चलता है कि टीएमसी यूनियन और पार्टी वर्कर्स ने छात्रों और आम जनता के साथ किस कदर लूट की है।

संक्षेप...

पंजीकृत फेरीवालों को 10 जून तक मिलेंगे पहचान पत्र

मुंबई. मुंबई में पंजीकृत फेरीवालों (हॉकरों) को जल्द ही आधिकारिक पहचान पत्र मिलने जा रहे हैं। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने बताया कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) ने आश्वासन दिया है कि शहर के सभी पंजीकृत फेरीवालों को 10 जून तक पहचान पत्र जारी कर दिए जाएंगे।

निरुपम ने यह जानकारी BMC आयुक्त अश्विनी भिड़े के साथ हुई बैठक के बाद दी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अवैध अतिक्रमण और अनधिकृत फेरीवालों के खिलाफ चलाए गए अभियानों का असर कई पंजीकृत फेरीवालों पर भी पड़ा है, जबकि कानून के तहत उन्हें संरक्षण प्राप्त है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्रवाई केवल अपंजीकृत और अवैध फेरीवालों के खिलाफ होनी चाहिए, न कि उन लोगों के खिलाफ जो वर्षों से वैध रूप से अपना व्यवसाय कर रहे हैं। उनके अनुसार, हजारों परिवारों की आजीविका सड़क किनारे व्यापार पर निर्भर है और ऐसे में वैध फेरीवालों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन की तीसरी पहाड़ी टनल की खुदाई पूरी

■ 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी सुरंग

मुंबई. देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के काम को बड़ी सफलता मिली है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की तीसरी टनल की खुदाई को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह टनल महाराष्ट्र के पालघर जिले में बनी है। यह सुरंग पालघर जिले के दहानू तहसील के अम्बेसरी गांव में है। यह सुरंग 417 मीटर लंबी और 14.4 मीटर चौड़ी है। इसे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की आने और जाने, दोनों पटरियों के लिए डिजाइन किया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अगले साल 15 अगस्त पर बुलेट ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। बुलेट ट्रेन सबसे पहले गुजरात की धरती पर चलेगी।

■ कैस हुई इस टनल की खुदाई

नेशनल हाईस्पीड रेल कॉरपोरेशन (NHSRCL) ने एक आधिकारिक अपडेट में बताया है कि टनल की खुदाई दोनों तरफ से कंट्रोल्ड ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग तरीके से की गई। खुदाई के पूरे काम के दौरान, सुरंग की बनावट की मजबूती और सुरक्षा पक्की करने के लिए, एडवांस्ड मॉनिटरिंग सिस्टम और जियोटेक्निकल उपकरण लगाए गए थे। खुदाई के दौरान होने वाले कंपन, सुरंग के व्यवहार और आस-पास की इमारतों पर लगातार नज़र रखने के लिए, रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए गए थे। इनमें सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स (SSP), 3D टारगेट, स्ट्रेन गेज और सीस्मोग्राफ शामिल थे।

■ बुलेट ट्रेन में कितनी पहाड़ी सुरंगें

बुलेट ट्रेन के प्रोजेक्ट में (गुजरात और महाराष्ट्र) में कुल आठ पहाड़ी सुरंगें हैं। इनमें से सात (7) महाराष्ट्र के पालघर जिले में और एक (1) गुजरात के वलसाड जिले में है। पालघर की ताजा सुरंग की खुदाई के काम के दौरान सुरंग के अंदर काम करने वालों की सुरक्षा पर खास ध्यान दिया गया। इसके लिए सही वेंटिलेशन सिस्टम, आग से बचाव के उपाय, अंदर आने-जाने के लिए कंट्रोल्ड इंतजाम और लगातार जियोटेक्निकल मॉनिटरिंग की गई।

■ पांच महीने में तीन सुरंगें बनीं

NHSRCL ने इस पहाड़ी सुरंग की खुदाई के साथ महाराष्ट्र में पिछले 5 महीनों में तीन पहाड़ी सुरंगों की खुदाई पूरी की है। महाराष्ट्र में अब बुलेट ट्रेन का काम तेज गति से बढ़ रहा है। बुलेट ट्रेन के वापी और बोईसर बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच की तीनों पहाड़ी सुरंगों की खुदाई सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर महाराष्ट्र के बोईसर और गुजरात के वापी के बीच एक अहम औद्योगिक इलाके से गुजरता है। यहां निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इन दोनों शहरों के बीच के रास्ते में तीन पहाड़ी सुरंगें (MT-08, MT-07 और MT-06) शामिल हैं। मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के रूट की कुल लंबाई 508 किलोमीटर है। इस रूट पर कुल 12 स्टेशन हैं।

भिवंडी का नारपोली पुलिस स्टेशन आतंकियों के रडार पर

भिवंडी. उत्तर प्रदेश ATS टीम की आतंकियों से जुड़ी जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि भिवंडी के नारपोली पुलिस स्टेशन को रेकी करके उड़ाने की साजिश थी। जांच एजेंसियों ने शक जताया है कि बांद्रा के गरीबनगर इलाके में बिना इजाज़त बनी मस्जिद गिराने का बदला लेने के लिए पुलिस पर हमला करने की साजिश रची गई थी। इस मामले में गिरफ्तार किए गए दानियाल अशरफ पर नारपोली पुलिस स्टेशन की फोटो और पास के मेट्रो ब्रिज का 18 सेकंड का वीडियो बनाकर पाकिस्तान में हैंडलर्स को भेजने का आरोप है। जांच में पता चला है कि आरोपियों को पुलिस स्टेशनों और सुरक्षा इंतज़ामों के बारे में सेंसिटिव जानकारी इकट्ठा करने के निर्देश दिए गए थे। इस नेटवर्क के 'तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान' और शहज़ाद भट्टी से कथित तौर पर जुड़े होने का शक है, और ISI की संभावित भूमिका की जांच चल रही है। जांच में यह भी पता चला है कि युवाओं को सोशल मीडिया के ज़रिए पैसे का लालच देकर संवेदनशील जगहों की जासूसी करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

गावठी शराब को लीगल करें : रामदास आठवले

भिवंडी. पुणे में गरीब परिवार के मजदूरों की जहरीली शराब पीने से मौत हो गई। मेरी पर्सनल राय है कि हाथ से बनी गावठी शराब को सरकार को लीगल कर देना चाहिए। ताकि शराब आम मजदूर वर्ग के लिए सस्ती हो सके। गावठी शराब पर सरकार का कंट्रोल होगा। केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने भिवंडी में भरोसा जताया है कि सरकार को रेवेन्यू मिलेगा और गरीब मजदूरों की जान बचेगी। लेकिन आखिर में उन्होंने कहा कि यह मेरी निजी राय है। केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले सोमवार को एक प्राइवेट प्रोग्राम के लिए तालुका के बापगांव आए थे। उसके बाद, उन्होंने देर रात भिवंडी शहर में RPI शहर अध्यक्ष महेंद्र गायकवाड़ की सिटी ब्रांच का दौरा किया। उसके बाद, यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय नेता सुरेश बारशिंगे, शहर अध्यक्ष महेंद्र गायकवाड़, प्रो. सुमित्रा कांबले, BJP ग्रुप लीडर संतोष शेट्टी, कॉर्पोरेटर नंदिनी गायकवाड़ और बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद थे।

RPI पार्टी ने शुरू से ही मराठा रिजर्वेशन मूवमेंट को सपोर्ट किया है। जरांगे पाटिल मूवमेंट के लिए धूप में बैठे थे। सरकार ने मराठा रिजर्वेशन देने का फैसला किया है। विदर्भ में कुनबी मराठा कम्युनिटी को रिजर्वेशन मिला हुआ है। मराठा कम्युनिटी कुनबी कम्युनिटी की तरह खेती करती है। इसलिए, जिनका रिकॉर्ड कुनबी है, उन्हें OBC सर्टिफिकेट दिया जाना चाहिए। मराठा कम्युनिटी को आम तौर पर OBC नहीं कहा जा सकता। लेकिन साथ ही, OBC के साथ नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। EWS के ज़रिए 10 परसेंट रिजर्वेशन दिया जा सकता है। मराठा कम्युनिटी को EWS में शामिल किया जाना चाहिए। सेंसस के बाद कम्युनिटी के स्टैटिस्टिक्स सामने आएंगे। हमारा मानना है कि मराठा समुदाय के रिज़र्वेशन पर जल्द ही फ़ैसला होना चाहिए.

सब-कैटेगराइज़ेशन जनगणना के बाद जाति के आधार पर रिज़र्वेशन दिया जाना चाहिए. सब-कैटेगराइज़ेशन के लिए सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के बाद राज्य सरकार इसे लागू कर रही है। हमारी मांग है कि अब जनगणना हो रही है। उसके बाद समुदाय के आँकड़े सामने आएँगे, ताकि किसी भी जाति के साथ अन्याय न हो, हमारा रुख़ यह है कि जाति को उसके प्रतिशत के हिसाब से रिज़र्वेशन मिलना चाहिए। अगर जाति व्यवस्था खत्म हो जाए, तो हम यह रिज़र्वेशन छोड़ने को तैयार हैं।

सफाई कर्मचारियों के मामलों में देरी हुई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी -मुकेश सारवान

भिवंडी. सफाई कर्मचारियों के किसी भी मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के वाइस चेयरमैन मुकेश सरवन ने चेतावनी दी है कि सफाई कर्मचारियों के मामले में देरी हुई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को उन्होंने भिवंडी महानगरपालिका का दौरा किया और यहां मनपा आयुक्त अनमोल सागर से सफाई कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की। इस बार हुई समीक्षा बैठक में एडिशनल कमिश्नर विट्ठल डाके, नयना सासने, डिप्टी कमिश्नर विक्रम दराडे, असिस्टेंट कमिश्नर शैलेश डोंडे, मजदूर संगठनों के पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

महानगरपालिका में सफाई कर्मचारियों की अलग-अलग मांगों और सामाजिक न्याय विभाग और शहरी विकास विभाग के सरकारी फैसलों के अनुसार सफाई कर्मचारियों की अलग-अलग योजनाओं को लागू किया गया है या नहीं? या कैसे किया जा रहा है, इस बारे में महाराष्ट्र राज्य सफाई कर्मचारी आयोग, मुंबई के चेयरमैन

मुकेश सारवान ने महानगरपालिका स्थापना विभाग के अधिकारियों और कमिश्नर से विस्तार से चर्चा की।

इस मौके पर उन्होंने सरकार के फैसले डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर श्रम सफाई योजना के तहत 25 साल या उससे ज़्यादा सेवा दे चुके सफाई कर्मचारियों को मालिकाना हक के आधार पर मुफ़्त फ्लैट देने के मुद्दे पर नगर निगम कमिश्नर से चर्चा की और नगर निगम प्रशासन को इस मुद्दे को हल करने के निर्देश दिए।

30 अप्रैल, 2025 के सरकारी फैसले में गंदे सीवर में काम करते हुए मरने वाले, हमेशा के लिए विकलांग या दिव्यांग हुए सफाई कर्मचारियों को मुआवज़ा दिया जाना चाहिए। 13 अक्टूबर, 2024 के सरकारी फैसले के प्रावधानों के अनुसार, आयोग ने विरासत के अधिकारों के लंबित मामलों और सफाई कर्मचारियों के मंज़ूर पदों, भरे हुए पदों और खाली पदों की जानकारी के साथ-साथ हमारे नगर निगम में सफाई कर्मचारियों के समग्र विकास के लिए सरकार द्वारा लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी तैयार करके पेश करने का निर्देश दिया है। मुकेश सारवान ने यह भी चेतावनी दी कि अगर सफाई कर्मचारियों के मुद्दे में कोई देरी हुई तो नगर निगम प्रशासन के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, इंडियन वर्कर्स फेडरेशन यूनियन के भानुदास भसाले और श्रीपत तांबे ने उनसे मुलाकात की और कर्मचारियों की मांगों के बारे में एक बयान दिया।

पुल निर्माण के लिए नियमानुसार की गई कार्रवाई

■ कडोंमपा आयुक्त गोयल ने दी सफाई

कल्याण. वालधुनी स्थित बुद्धभूमि फाउंडेशन परिसर में महानगरपालिका द्वारा की गई कार्रवाई को लेकर उठे विवाद के बीच कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) आयुक्त अभिनव गोयल ने मंगलवार को पत्रकार परिषद आयोजित कर प्रशासन का पक्ष स्पष्ट किया।

आयुक्त गोयल ने कहा कि जिस भूखंड पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है, वह महानगरपालिका की भूमि है। प्रस्तावित चार लेन उड्डाण पुल के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने के लिए वहां मौजूद अवरोधों को हटाना आवश्यक था। उन्होंने बताया कि कार्रवाई से पहले संबंधित पक्षों को नियमानुसार नोटिस जारी किए गए थे तथा समय-समय पर उनके साथ चर्चा भी की गई थी।

गोयल ने कहा कि पूरी कार्रवाई कानून और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की गई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कार्रवाई के दौरान परिसर में मौजूद भगवान गौतम बुद्ध की चार प्रतिमाओं सहित अन्य धार्मिक साहित्य को सुरक्षित रूप से बुद्धभूमि फाउंडेशन के प्रतिनिधियों को सौंप दिया गया था।

मनपा आयुक्त ने कहा कि शहर के विकास और महत्वपूर्ण बुनियादी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, जबकि धार्मिक और सामाजिक भावनाओं का भी पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने नागरिकों से किसी भी प्रकार की अफवाहों पर विश्वास न करने और प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की।

डॉ. पवन बनसोड़ भिवंडी पुलिस उपायुक्त नियुक्त

भिवंडी. भिवंडी पुलिस परिमंडल में IPS ऑफिसर डॉ. पवन बनसोड़ को सरकारी आदेश के मुताबिक ठाणे पुलिस कमिश्नर ने उपायुक्त नियुक्त किया है। इसलिए पुलिस ऑफिसर्स और जाने-माने लोगों ने उन्हें बुके देकर बधाई दी है।

इंडियन पुलिस सर्विस के ऑफिसर डॉ. पवन बनसोड़ को परिमंडल-2 भिवंडी में पुलिस उपायुक्त नियुक्त किया गया है, जो भिवंडी पुलिस डिप्टी कमिश्नर शशिकांत बोराटे के मुंबई ट्रांसफर होने की वजह से खाली हुआ था और उन्होंने अपना पद संभाल लिया है। वे ठाणे, यवतमाल, CID जैसी जगहों पर अलग-अलग पोस्ट पर काम कर चुके हैं।

राजनीति में कदम रखने वाली हैं भूमि पेडनेकर?

■ बोलीं- देश की सेवा करना मेरे खून में है, अब अगर...

भूमि पेडनेकर ने बॉलीवुड, ट्रोलिंग और अपने करियर पर बात की। भूमि ने कहा कि आज बॉलीवुड के पास वो कहानियां नहीं रहीं जो पहले हुआ करती थीं। उन्होंने मां-बाप से रिक्वेस्ट किया कि वे अपनी बेटियों को दहेज देने की बजाय उन्हें पढ़ाएं और उन्हें उनके पैरों पर खड़ा करें। इतना ही नहीं, उन्होंने राजनीति में जाने का हिंट भी दिया।

भूमि ने एनडीटीवी मराठी के 'मंच' में कहा, 'मुझे इंडियन होने पर गर्व है। देश की सेवा करना मेरे खून में है। मेरे लिए, मैं जो भी काम पर्दे के पीछे करती हूं, वो देश की सेवा करने के लिए करती हूं। और अगर, देश की सेवा करने के लिए मुझे राजनीति में आना पड़े, तो क्यों नहीं? मैं राजनीति में जरूर आऊंगी।'

भूमि ने कहा, 'मैंने जब अपनी पहली फिल्म की थी मैं तभी समझ गई थी कि सिर्फ वही फिल्में अपनी छाप छोड़ पाएंगी जो भारत के बारे में बात करती हैं और भारतीय महिलाओं के बारे में बात करती हैं। आज के समय में, ऐसी कहानियों की बहुत ज्यादा जरूरत है जिनमें महिलाओं को प्राथमिकता दी गई हो।'

ट्रोलिंग एक बीमारी बन गई है- भूमि

भूमि पेडनेकर ने कहा कि ट्रोलिंग एक बीमारी है। भूमि बोलीं, 'हम एक महामारी के दौर में जी रहे हैं। अब ट्रोलिंग और बुलीइंग में कोई फर्क नहीं रह गया है। अभी तो मुझे ट्रोलिंग से कोई फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन ऐसा बनने के लिए मुझे बहुत बुरे दौर से गुजरना पड़ा है। ट्रोलिंग की वजह से मैं रो भी चुकी हूं। ये लोग समझते नहीं हैं कि मेरा भी एक परिवार है, मेरी भी मां है जो मेरे बारे में लिखी हुई निगेटिव बातें पढ़ती है और उस से प्रभावित भी होती है।'

दाऊद के सहयोगी डोला पर ED की कार्रवाई

मुंबई. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के कथित करीबी सहयोगी सलीम इस्माइल डोला से, जुड़े ड्रग तस्करी और हवाला नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया है. एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत मुंबई, सूरत, अंकलेश्वर और राजकोट में 20 से अधिक ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया है. यह कार्रवाई मुंबई में डोला और उसके सिंडिकेट के खिलाफ दर्ज कई एफआईआर के आधार पर की गई है.

हाल ही में तुर्की से प्रत्यर्पित किए गए सलीम डोला को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ नेटवर्क का, मास्टरमाइंड और भारत में सिंथेटिक ड्रग मेफेड्रोन (एमडी) का प्रमुख निर्माता बताया है. ईडी की इस छापेमारी का मुख्य उद्देश्य डोला के सहयोगियों, रासायनिक आपूर्तिकर्ताओं, बिचौलियों, हवाला संचालकों और ड्रग्स की कमाई से खड़ी की गई बेनामी संपत्तियों को बेनकाब करना था.

'ऑपरेशन ग्लोबल हंट' और पैसे का पीछा

जांच की शुरुआत जुलाई 2023 में मुंबई से हुई थी. जब एसबी ने 20 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त कर डोंगरी निवासी फैसल जावेद शेख को गिरफ्तार किया था. शेख के बैंक खातों की जांच के दौरान संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का खुलासा हुआ था. जिसके तार सीधे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में बैठे सलीम डोला से जुड़े थे.

आवश्यकता है...
सुंदर सेवक सभा
स्वामी सर्वानंद अस्पताल
पुराने बस टर्मिनस के पास, उल्हासनगर-421005
हमारे रखरखाव विभाग के लिए निम्नलिखित कर्मियों की आवश्यकता है:
1. पर्यवेक्षक-विद्युत/यांत्रिक
2. इलेक्ट्रीशियन/मैकेनिक/तकनीशियन/प्लंबर
योग्य और अनुभवी व्यक्ति संबंधित प्रमाण पत्रों और प्रशंसा पत्रों के साथ आवेदन कर सकते हैं।
आवेदन कैसे करें:
मानव संसाधन विकास प्रबंधक को ईमेल द्वारा sarvanand_hsp@rediffmail.com पर
या
व्यक्तिगत रूप से अपॉइंटमेंट लेकर
7030458933 | 0251-2527517 | 2524618 पर।

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
Subscribe
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर
Since 1985
Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017
www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com
Chief Editor Hero Ashok Bodha
L.L.B., BMM, MA (PS)

आम सूचना

मैं मिस पायल राजू भाटिया सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम नं. 1,2,3, ग्राऊंड फ्लोर, बैरक नं. 1331, सेक्शन 32, श्री गंगाराम सिंध नेशन इंग्लिश स्कूल के सामने, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 42सीओ009569400) उक्त प्रॉपर्टी मिस प्रिती प्रदीप शेडगे व श्री सिद्धार्थ जयंत मांजरेकर के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 17.3.2026 सी.नं. 70 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
मिस पायल राजू भाटिया

आम सूचना

मैं श्री मोहन राजेंद्र निकुंभ सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 1364, मराठा सेक्शन 32, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 42सीओ012360500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती जयश्री दत्तात्रय बोरकर के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 20.5.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मोहन राजेंद्र निकुंभ

आम सूचना

मैं श्री संजय तेजनारायण महतो सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 11, ग्राऊंड फ्लोर, मिनिस्टर काम्पलेक्स, प्लाट नं. यू.नं. 7-8, शीट नं. 29, पवई चौक, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 30सीओ005772700) उक्त प्रॉपर्टी श्री कुमार कन्हैयालाल सचदेव के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 2.7.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री संजय तेजनारायण महतो

आम सूचना

हम श्री संतोष सुरेश खंडागले व श्री सर्वेश सुरेश खंडागले सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, संतोष नगर, उल्हासनगर- 4 (टैक्स नं. 44सीओ009983200) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कमलाबाई आनंदा खंडागले ने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 31.3.2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री संतोष सुरेश खंडागले
व श्री सर्वेश सुरेश खंडागले

आम सूचना

मैं श्री नितीन रुपचंद लेढवाणी सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 403, 4था माला, डीके अपार्टमेंट, रुम नं. 1-2, बैरक नं. 286, उल्हासनगर- 2. (टैक्स नं. 20बीआय016470200) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती पूजा वी. रामवाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 20.6.2024 सी.नं. 934 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री नितीन रुपचंद लेढवाणी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099